सात फेरे सात वचन | By Divyashakti

निभाना अपने दिए वचन को
वो सात फेरे भुला ना देना
रचाये मेहन्दी तुम्हारी दुल्हन
ऐ चाँद हमको दग़ा ना देना

धरम करम हो या कोई तीरथ
कहीं भी जाना बना के साथी
दिया है कन्या का दान जिसने
कभी दिल उनका दुःखा ना देना
निभाना अपने दिए वचन को
वो सात फेरे भुला ना देना

मैं मांगती हूँ ज़रा सी चाहत
जो ख़त्म ना हो मरते दम तक
उठाना घर की ज़िम्मेदारी
नशे में दामन छुड़ा ना देना
निभाना अपने दिए वचन को
वो सात फेरे भुला ना देना

हमें बताना दिल की बातें
हमें भी हक़ देना ज़िन्दगी में
जो आँख छलके महफ़िलो में
कहीं हंसी में उड़ा ना देना
निभाना अपने दिए वचन को
वो सात फेरे भुला ना देना

ये माथे कुमकुम ये हाथ चूड़ी
ये मांग सिन्दूर तेरे दम से
नज़र में अपनी हमें ही रखना
किसी से नज़रे मिला ना लेना
निभाना अपने दिए वचन को
वो सात फेरे भुला ना देना

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%a4-%e0%a4%ab%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%a4-%e0%a4%b5%e0%a4%9a%e0%a4%a8-by-divyashakti/